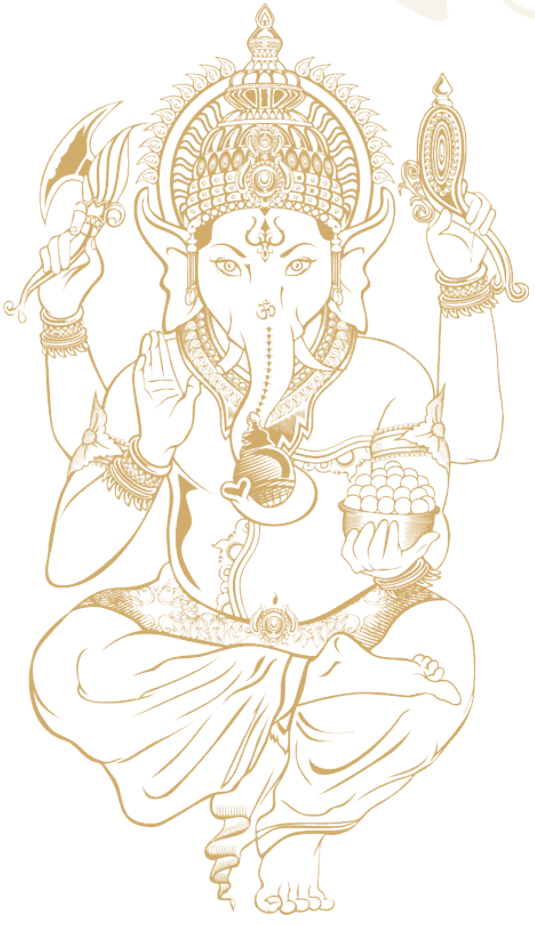

Usha ka damad

Usha ke beti

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121413601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121413601 Date: 26/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20-21/11/1994	जन्म तिथि	29/04/1997
रवि-सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 06:40:00	जन्म समय	12:40:00 घंटे
घटी 59:37:27	जन्म समय(घटी)	17:35:08 घटी
India	देश	India
Vikasnagar	स्थान	Delhi
30:26:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:43:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:49:01	सूर्योदय	05:42:28
17:19:56	सूर्यास्त	18:55:00
23:47:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:09

वृश्चिक	लग्न	कर्क
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
मिथुन	राशि	मकर
बुध	राशि-स्वामी	शनि
मृगशिरा	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
4	चरण	3
सिद्ध	योग	साध्य
वणिज	करण	बव
की-किशोर	जन्म नामाक्षर	जा-जयन्ती
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
सर्प	योनि	नकुल
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	सिंह

PANDIT DEVPRAKASH SHARMA
VPO CHEOG, SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171209
9459311375
devprakash776@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 1वर्ष 0मा 26दि		01:48:03	वृश्चि	लग्न	कर्क	24:23:02	सूर्य 2वर्ष 5मा 0दि	
गुरु		04:41:58	वृश्चि	सूर्य	मेष	15:11:30	राहु	
17/12/2013		04:37:29	मिथु	चंद्र	मक	04:37:44	28/09/2016	
17/12/2029		29:24:39	कर्क	मंगल	सिंह	22:55:59	29/09/2034	
गुरु	04/02/2016	21:50:28	तुला	बुध व	मेष	08:53:20	राहु	11/06/2019
शनि	17/08/2018	02:09:43	वृश्चि	गुरु	मक	25:28:50	गुरु	04/11/2021
बुध	22/11/2020	08:50:12	तुला व	शुक्र	मेष	22:06:27	शनि	10/09/2024
केतु	29/10/2021	12:00:37	कुंभ	शनि	मीन	20:02:16	बुध	30/03/2027
शुक्र	29/06/2024	20:59:44	तुला व	राहु व	कन्या	04:06:31	केतु	17/04/2028
सूर्य	17/04/2025	20:59:44	मेष व	केतु व	मीन	04:06:31	शुक्र	17/04/2031
चन्द्र	17/08/2026	29:37:56	धनु	हर्ष	मक	14:46:28	सूर्य	11/03/2032
मंगल	24/07/2027	27:26:46	धनु	नेप	मक	06:08:12	चन्द्र	10/09/2033
राहु	17/12/2029	04:12:09	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:05:49	मंगल	29/09/2034

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:19 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:09

लग्न-चलित

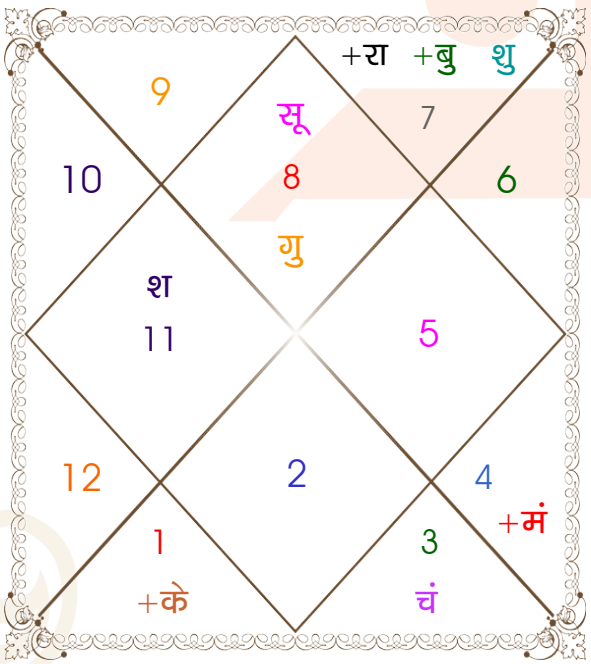

लग्न-चलित

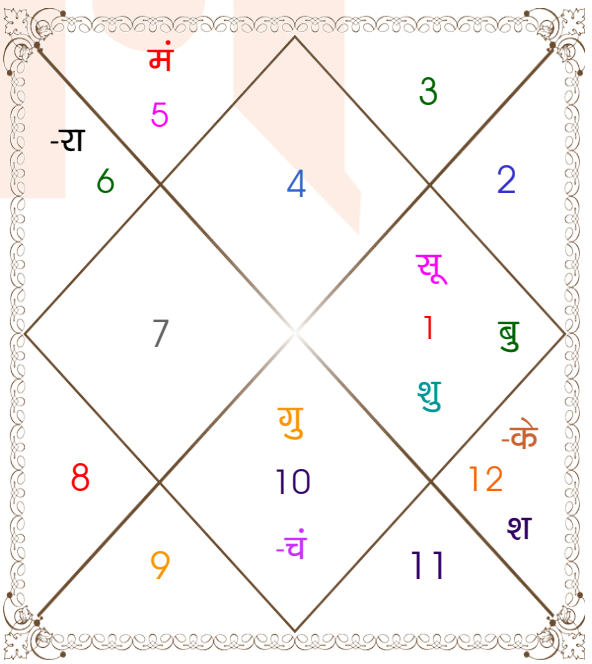

PANDIT DEVPRAKASH SHARMA
VPO CHEOG, SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171209
9459311375
devprakash776@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	नकुल	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

कुल : **20.5 / 36**

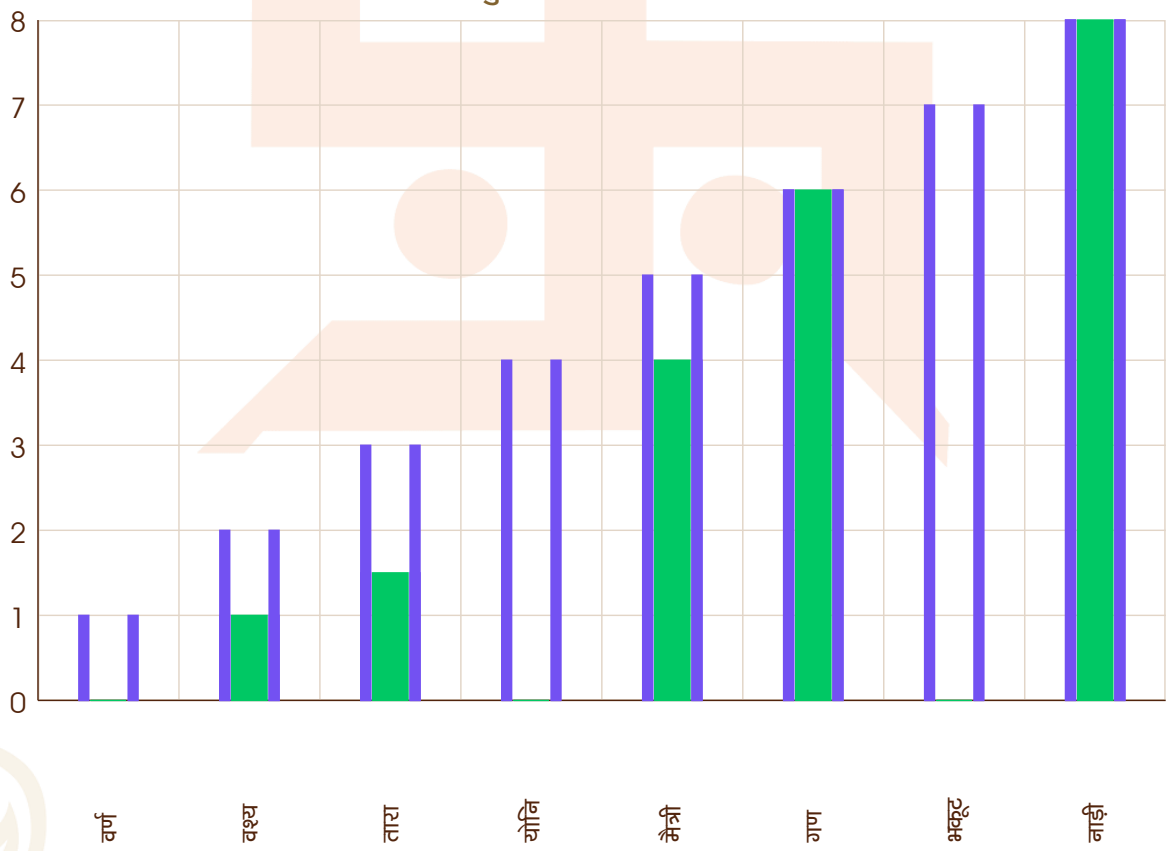

PANDIT DEVPRAKASH SHARMA
VPO CHEOG, SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171209
9459311375
devprakash776@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Usha ka damad का वर्ग मार्जार है तथा Usha ke beti का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Usha ka damad और Usha ke beti का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Usha ka damad मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Usha ke beti मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Usha ka damad तथा Usha ke beti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

PANDIT DEVPRAKASH SHARMA
VPO CHEOG, SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171209
9459311375
devprakash776@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Usha ka damad का वर्ण शूद्र है तथा Usha ke beti का वर्ण वैश्य है। क्योंकि Usha ke beti का वर्ण Usha ka damad के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Usha ke beti अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह Usha ke beti अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

Usha ka damad का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Usha ke beti का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Usha ka damad एवं Usha ke beti दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Usha ke beti अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Usha ka damad अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Usha ka damad की तारा विपत तथा Usha ke beti की तारा मित्र है। Usha ka damad की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Usha ka damad एवं Usha ka damad के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Usha ke beti हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Usha ke beti को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Usha ka damad की योनि सर्प है तथा Usha ke beti की योनि नकुल है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने

चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Usha ka damad का राशि स्वामी Usha ke beti के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Usha ke beti का राशिस्वामी Usha ka damad के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Usha ka damad का गण देव तथा Usha ke beti का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Usha ke beti अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Usha ka damad से Usha ke beti की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Usha ke beti से Usha ka damad की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Usha ka damad एवं Usha ke beti दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। Usha ka damad शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Usha ke beti बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Usha ka damad की नाड़ी मध्य है तथा Usha ke beti की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है।

अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Usha ka damad एवं Usha ke beti के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

PANDIT DEVPRAKASH SHARMA
VPO CHEOG, SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171209
9459311375
devprakash776@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Usha ka damad की जन्मराशि वायुतत्व युक्त मिथुन तथा Usha ke beti की राशि भूमितत्व युक्त मकर राशि है। नैसर्गिक रूप से वायु और भूमि तत्व में असमानता के कारण Usha ka damad ओर Usha ke beti के मध्य स्वभावगत असमानताएं रहेंगी। साथ ही मतभेदों में भी प्रबलता रहेगी जिससे संबंधों मे तनाव रहेगा। अतः यह मिलान विशेष अच्छा नही रहेगा।

Usha ka damad की जन्मराशि का स्वामी बुध तथा Usha ke beti की जन्मराशि का स्वामी शनि परस्पर मित्र एवं समभाव मे पड़ते है अतः सम्बंधों में सामंजस्य स्थापित करके मधुरता में वृद्धि करने के लिए स्थिति सामान्यता अच्छी रहेगी। ऐसी स्थिति मे जहाँ Usha ke beti का भाव उदासीनता युक्त रहेगा वहाँ Usha ka damad पूर्ण सक्रियता से सुख शान्ति की वृद्धि में अपना सहयोग प्रदान करेगे।

Usha ka damad और Usha ke beti की राशियं परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती है। यह प्रबल भकुट दोष माना जाता है। अतः इससे Usha ka damad और Usha ke beti के परस्पर सम्बंधो मे अनावश्यक तनाव एवं कटुता रहेगी तथा वाद विवाद में भी इनका समय व्यतीत होगा उनमें मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी भिन्नता होगी जिससे दाम्पत्य जीवन की सुख शान्ति में न्यूनता रहेगी अतः यदि Usha ka damad और Usha ke beti सहनशीलता और बुद्धिमता का पालन करें तो उपरोक्त दुष्प्रभावों में न्यूनता आ सकती है।

Usha ka damad का वश्य मानव तथा Usha ke beti का वश्य जलचर है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक असमानता तथा शत्रुता के भाव के कारण Usha ka damad और Usha ke beti के स्वभाव तथा अभिरूचियों में स्वाभाविक अन्तर रहेगा फलतः एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे। साथ ही मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता रहेगी तथा कामभावनाओं में भी एक दूसरे को प्रसन्न रखने मे असमर्थ रहेंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन विशेष सुखी नहीं रहेगा।

Usha ka damad का वर्ण शुद्र तथा Usha ke beti का वर्ण वैश्य है। अतः Usha ka damad किसी भी कार्य को करने में ईमानदारी तथा परिश्रम की प्रवृति रखेंगे वहीं Usha ke beti किसी भी कार्य को व्यापारिक बुद्धि से सम्पन्न करेंगी तथा धनार्जन के कार्यो में तत्पर रहेंगी।

धन

Usha ka damad और Usha ke beti दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Usha ka damad की नाड़ी मध्य तथा Usha ke beti की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की अलग अलग नाड़ियां होने के कारण ये नाड़ी दोष से मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से Usha ka damad और Usha ke beti दोनों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा परिश्रम एवं पराक्रम से वे अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगे। इससे दाम्पत्य जीवन में खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः उत्तम दाम्पत्य जीवन को व्यतीत करने की दृष्टि से यह मिलान अनुकूल रहेगा तथा Usha ka damad और Usha ke beti सुख एवं आनंद पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Usha ka damad और Usha ke beti का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Usha ka damad और Usha ke beti के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Usha ke beti के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Usha ke beti को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Usha ke beti को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Usha ka damad और Usha ke beti सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Usha ka damad और Usha ke beti का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Usha ke beti के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Usha ke beti को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। Usha ke beti भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान

रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Usha ke beti को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Usha ke beti उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Usha ke beti के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Usha ke beti के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Usha ka damad के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Usha ka damad के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Usha ka damad के प्रति सामान्य ही रहेगा।